गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) भारत में 1978 में मोटर सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर प्रति हजार 138.4 व्यक्ति आंकी गई है जबकि विश्व के अन्य देशों में यह 25.8 से 76.4 व्यक्ति है।

(ख) राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा निम्नलिखित निवारक उपाय किये जा रहे हैं :--

(1) ड्राइविंग लाइसेंस देने के लिए कठिन परीक्षाओं का शुरू किया जाना।

(2) अन्धाधुन्ध और लापरवाही से गाडी चलाने की अवस्था में ड्राइविंग लाइसेंस को स्थगित/रद्द करना।

(3) चालकों/पिछली सीट पर बैठने वालों के लिए हैलमेट का प्रयोग अनिवार्य करना।

दिल्ली में सीमेंट की कमी

*466. **श्री धर्मदास शास्त्री** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें संघ क्षेत्र दिल्ली में सीमेंट की कमी से उत्पन्न स्थिति के बारे में पता है ;

(ख) दिल्ली को मई, 1979 में सीमेंट का कितना कोटा दिया गया था और इस वर्ष मई में कितना कोटा दिया गया ; और

(ग) सरकार दिल्ली में और समूचे देश में सीमेंट की कमी दूर करने और उसकी वितरण व्यवस्था सुधारने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है।

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) चूंकि मांग की अपेक्षा सीमेंट की कुल उपलब्धता कम है, अतः दिल्ली संघ क्षेत्र सहित देश में ही सीमेंट की सामान्य कमी चल रही है।

(ख) सीमेंट का आवंटन तिमाही आधार पर किया जाता है। दिल्ली संघ क्षेत्र को अप्रैल--जून 1979 तथा अप्रैल--जून 1980 की तिमाहियों में किया गया कुल आवंटन क्रमशः 1,39,000 मी० टन तथा 1,11,200 मी० टन था।

(ग) सरकार विद्यमान क्षमता के बेहतर उपयोग नई क्षमताओं की स्वीकृति तथा आयात के जरिए देश में सीमेंट की उपलब्धि में वृद्धि करने के हर संभव प्रयास कर रही है। दिल्ली संघ क्षेत्र को सप्लाई करने के सम्बन्ध में उपलब्धि स्थिति आसान बनाने की दृष्टि से 13,000 मी० टन सीमेंट का अतिरिक्त आवंटन किया गया था।

सीमेंट का फुटकर वितरण राज्य सरकारों/संघ क्षेत्रों द्वारा विनियमित किया जाता है जिन्हें जनता को सीमेंट की बिक्री करने तथा उसके उचित वितरण हेतु प्रभावी योजनाएं बनाने की आवश्यकता के बारे में परामर्श दिया गया है।

अन्त्योदय कार्यक्रम का मूल्यांकन

*467. **श्री राम विलास पासवान** : क्या योजना मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे :

(क) क्या देश के विभिन्न राज्यों में; 'अन्त्योदय' कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया है

(ख) यदि हां, तो उन राज्यों, जिलों और गांवों के नाम क्या हैं जहां यह मूल्यांकन किया गया है और इस अध्ययन की अवधि और अपनाई गई प्रक्रिया तथा इस मूल्यांकन अध्ययन में राजस्थान में अपनाई गई प्रक्रिया का तुलनात्मक विवरण क्या है ;

(ग) क्या अन्त्योदय की उपलब्धियों के बारे में प्रतिवेदन तैयार कर लिया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार ने उस पर क्या कार्यवाही की है ?

योजना मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) जी, हां, 'अन्त्योदय' कार्यक्रम का मूल्यांकन, वर्ष 1978 में "राजस्थान में अंत्योदय कार्यक्रम के कार्यकरण के मूल्यांकन अध्ययन" के रूप में किया गया है।

(ख) यह अध्ययन अक्तूबर-नवम्बर, 1978 में पांच गांवों में, अर्थात् राजस्थान के इन पांच जिलों में हरेक में एक गांव में किया गया था-- चित्तौड़गढ़ (मदसोदा), जयपुर (कोटखावदा) झुंझनू (हनुमंतपुरा), जोधपुर (लनावासकलां), और कोटा (उंडवा)।

(ग) उपर (क) में दिए अनुसार।

(घ) रिपोर्ट की प्रतियां अनुवर्ती कार्रवाई के लिए राजस्थान सरकार और केन्द्रीय ग्रामीण पुर्ननिर्माण मंत्रालय को भेजी गई थीं।